

प्रेषक,

एस0 रामास्वामी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
राज्य योजना आयोग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

देहरादून, दिनांक: 07-फरवरी-2011

नियोजन अनुभाग-1

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनेत्तर मद के अन्तर्गत पुनर्विनियोग।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-217/तीन-1(5)/रा0यो0आ0/2010, दिनांक 10.02.2011 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखाशीर्षक-3451-092-03 नियोजन अधिष्ठान के अन्तर्गत मद सं0-01-वेतन संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार बचतों को व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु लेखाशीर्षक-3451-092-03 नियोजन अधिष्ठान के अन्तर्गत मद सं0-06-अन्य भत्ते में कुल धनराशि ₹ 415 हजार (₹ चार लाख पन्द्रह हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि के आहरण एवं व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिये यह स्वीकृति की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिये नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मित्व्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाएगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी0एम0-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।
- 4- यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 5- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें, 092-अन्य

कार्यालय-00-आयोजनेत्तर-03-नियोजन अधिष्ठान-मद सं0-06-अन्य भत्ते के नामें
डाला जायेगा।

- 6- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय सं0-782NP/XXVII(5)/10,
दिनांक 22 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0 रामास्वामी)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 21/ (1)/XXVI/एक(6)/2010 T.C-2, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 3- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 5- समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी0बी0ओली)
संयुक्त सचिव।

आय-व्यय प्रपत्र-15
पुनर्विनियोग 2010-2011 विवरण पत्र

आयोजनेतर
(प्रशासनिक विभाग-नियोजन विभाग)

नियंत्रक अधिकारी- प्रमुख सचिव, नियोजन

अनुदान संख्या-07
(धनराशि हजार रुपये में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष धनराशि (सरप्लस)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है तथा स्थानान्तरित की जानी वाली धनराशि।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-05 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-01 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-07 लेखाशीर्षक- 3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें 092-अन्य कार्यालय-00- 03-नियोजन अधिष्ठान-00- 01-वैतन	10000	1625	415	अनुदान संख्या-07 लेखाशीर्षक- 3451-सचिवालय आर्थिक सेवायें-00- 092-अन्य कार्यालय-00-आयोजनेतर- 03-नियोजन अधिष्ठान-00 06-अन्य भत्ता-	1515	9585	राज्य योजना आयोग में अधिकारियों/कर्मचारियों के अवशेष सचिवालय भत्ते/माह फरवरी, 2011 के अन्य भत्ते का भुगतान किया जाना है। जिस हेतु रु० 415 हजार (चार लाख पन्द्रह हजार मात्र) की अतिरिक्त आवश्यकता के दृष्टिगत पुनर्विनियोग का प्रस्ताव किया जा रहा है।
योग	10000	1625	415		415	1515	9585

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट मैनुअल के परिच्छेद-150,151,155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

dhruv
(जी०बी० ओ०)
संयुक्त सचिव।

-4-

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-5
संख्या -782NP/XXVII(5)/103
देहरादून : दिनांक 22 फरवरी, 2011

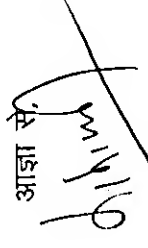
पुनर्विनियोग स्वीकृत।

सेवा में, महालेखाकार,
उत्तराखण्ड,
ओबराय बिल्डिंग देहरादून।

संख्या 34 (1)/XXVI/एक(6)/2010 T.C-2 तददिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
3. गार्ड फाइल।

शरद चन्द पाण्डे
अपर सचिव

आज्ञा से,

(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।

670301